

Class 10

Sub-Sanskrit Reader

Ch-8.

Date:27-8-20

दिए गए कार्य को Copy में पूर्ण करें।

प्रश्न 1.

अधोलिखितानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखन्तु

उत्तरम्:

(क) स्वामिकेशवानन्दस्य जन्म कदा अभवत्?

(स्वामीकेशवानन्द का जन्म कब हुआ?)

उत्तरम्:

स्वामिकेशवानन्दस्य जन्म पौषमासे 1940 तमे

विक्रमसम्बत्सरे (ईस्वी 1883) अभवत्।

(स्वामी केशवानन्द का जन्म पौष के महीने में विक्रम संवत्

1940 (1883 ई.) में हुआ।)

(ख) स्वामिकेशवानन्दस्य मातापित्रोः नाम किम्?

(स्वामी केशवानन्द के माता-पिता का नाम क्या था?)

उत्तरम्:

स्वामिकेशवानन्दस्य पितुः नाम ठाकुरसी ढाका मातृः नाम च

सारौ इत्यासीत्।

(स्वामी केशवानन्द के पिता का नाम ठाकुरसी ढाका और

माता का नाम सारौ था)

(ग) स्वामिनः संस्कृताध्ययनं कुत्र अभवत्?

(स्वामीजी का संस्कृत अध्ययन कहाँ हुआ?)

उत्तरम्:

स्वामिनः संस्कृताध्ययनं फाजिल्का नगरे अभवत्।

(स्वामीजी का संस्कृत अध्ययन फाजिल्का नगर में हुआ।)

(घ) केशवानन्देन संस्कृत-पाठशाला कुत्र स्थापिता?

(केशवानन्द जी ने संस्कृत पाठशाला कहाँ स्थापित की?)

उत्तरम्:

केशवानन्देन गुरु कुशलदासस्य आश्रमे संस्कृत पाठशाला
स्थापिता।

(केशवानन्दजी ने गुरु कुशलदास के आश्रम में संस्कृत की
पाठशाला स्थापित की।)

(ङ) स्वामिनः शिक्षा-प्रसारादिकार्याणि द्रष्टुं ये महापुरुषाः

आगताः तेषु केषामपि पञ्चानां नामानि वदन्तु।

(स्वामीजी के शिक्षा-प्रसार आदि कार्यों को देखने के लिए
जो महापुरुष आये उनमें से किन्हीं पाँच के नाम बताओ।)

उत्तरम्:

स्वामिन-शिक्षाप्रसारादि कार्याणि द्रष्टुं सरछोटूरामः, के. एम. पणिककरः, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डनः, दिनोवा भावे, पं. जवाहर लाल नेहरू च आगताः।

(स्वामीजी के शिक्षा-प्रसार आदि कार्यों को देखने के लिए सरछोटूराम, के०एम० पणिककर, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन, बिनोवा भावे और पं. जवाहर लाल नेहरू आये।)

प्रश्न 2.

'क' खण्ड 'ख' खण्डेन सह यथोचितं योजयन्तु – (क खण्ड को ख खण्ड के साथ यथोचित जोड़िए-)

उत्तरम्:

'क'	'ख'	उत्तरम्
1. केशवानन्दः	सांगरिया	बीरमा
2. छप्पनियौ अकाळ इति	बीरमा	दुर्भिक्षम्
3. अबोहरम्	स्वामीकेशवानन्द कृषि विश्वविद्यालयः	साहित्य सदनम्
4. उदासीसम्प्रदायः	दुर्भिक्षम्	श्रीचन्द्रः
5. ग्रामोत्थान विद्यापीठ	साहित्यसदनम्	सांगरिया
6. बीकानेरम्	श्रीचन्द्रः	स्वामिकेशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय
7. वेदान्त पुष्प-वाटिका	सीकरम्	हिन्दीपुस्तकालयः
8. मगलूणा	हिन्दीपुस्तकालयः	सीकरम्

प्रश्न 3.

निम्नलिखित शब्दानां पर्याय शब्दान् पाठात् चित्वा लिखन्तु
(निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द पाठ से चुनकर
लिखिए-)

उत्तरम्:

पदम्	पर्यायपदम्	पदम्	पर्यायपदम्
(अ) पूर्वमेव	प्रागेव	(आ) क्रमेलकः	उष्ट्रः
(इ) एकाकी	एकलः	(ई) अतीवप्रसन्नः	परमप्रीतः
(उ) मोक्षम्	मुक्तिः	(ऊ) इच्छामि	कामये
(ऋ) धरित्री	धरा		

प्रश्न 4.

अधोलिखित पदानां विलोमपदानि पाठात् चित्वा लिखतः
(निम्नलिखित पदों के विलोमवाची पद पाठ से चुनकर
लिखिए-)

उत्तरम्:

पदम्	विलोम पदम्	पदम्	विलोम पदम्
1. सम्पन्नता	विपन्नता	2. स्वतन्त्रता	दासता
3. सुभिक्षम्	दुर्भिक्षम्	4. दुर्लभम्	सुलभम्
5. निष्क्रियः	सक्रियः	6. विस्मारयति	स्मारयति

प्रश्न 5.

स्थूलाक्षरपदमाधृत्य उदाहरणं च अनुसृत्य प्रश्न-वाक्यं रचयतु
उदाहरणः

स्वामिनः जन्म 1940 तमे वर्षे अभवत्। (स्वामी जी का
जन्म 1940वें वर्ष में हुआ।)

उत्तरम्:

स्वामिनः जन्म कदा अभवत्?

(i) मातुः नाम सारा इत्यासीत्। (माता का नाम सारौं था।)

उत्तरम्:

कस्याः नाम साराँ आसीत्? (किसका नाम साराँ था?)

(ii) तस्मिन् दुर्भिक्षे जीवनं दुर्भरमासीत्। (इस अकाल में
जीवन दूभर था।)

उत्तरम्:

कस्मिन् दुर्भिक्षे-जीवनं दुर्भरम् आसीत्? (किस अकाल में
जीवन दूभर था?)

(iii) केशवानन्दाय दत्तवान्। (केशवानन्द को दे दिया।)

उत्तरम्:

कस्मै दत्तवान्? (किसके लिए दे दिया?)

(iv) केशवानन्दः द्विवारं राज्यसभायाः सदस्यः आसीत्।
(केशवानन्द दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे।)

उत्तरम्:

केशवानन्दः कति वारं राज्यसभायाः सदस्यः आसीत्?
(केशवानन्द जी कितनी बार राज्यसभा के सदस्य रहे?)

(v) परोपकाराय सतां विभूतयः। (सज्जनों की सम्पदा
परोपकार के लिए होती है।)

उत्तरम्:

कस्मै सतां विभूतयः? (सज्जनों की सम्पदा किसके लिए
होती है?)

(vi) कुप्रथानां निवारणे संलग्नः आसीत्। (कुप्रथाओं के
निवारण में संलग्न थे।)

उत्तरम्:

कासां निवारणे संलग्नः आसीत्? (किनके निवारण में संलग्न थे?)

प्रश्न 6.

अधोलिखित-पदानि आश्रित्य उदाहरणं च अनुसृत्य संस्कृतेन वाक्य-रचनां कुर्वन्तु-

(निम्नलिखित पदों को आश्रय लेकर और उदाहरण का अनुसरण करके वाक्य-रचना कीजिए-)

उत्तरम्:

पदानि

1. पिटकः
2. एकलः
3. विहाय
4. पशुचारकः
5. हृदि
6. कामये
7. कुर्वन्
8. परोपकाराय

वाक्यम्

- तव नासाग्रे पिटकः संवृत्तः।
सः एकलः उत्तरस्यां पंजाबे फिरोजपुरं प्राप्तः।
बालकं एकलं विहाय सा दिवङ्गता।
बीरमा बाल्यकाले पशुचारकः आसीत्।
तस्य हृदि संस्कृताध्ययनेच्छा अभवत्।
नाहं कामये राज्यं न स्वर्गम्।
कार्यं कुर्वन्नेव गतः
परोपकारायः सतां विभूतयः